जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

22 मार्च, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में "लैंग्वेज आईडियोलोजीज़ एंड द 'वर्नाक्युलर' इन साउथ एशियन कोलोनियल एंड पोस्ट-कोलोनियल लिटरेचर(स) एंड पब्लिक स्फेयर्स" पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

अंग्रेजी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिइ) और दक्षिण एशिया संस्थान द्वारा आयोजित "लैंग्वेज आईडियोलोजीज़ एंड द 'वर्नाक्युलर' इन साउथ एशियन कोलोनियल एंड पोस्ट-कोलोनियल लिटरेचर(स) एंड पब्लिक स्फेयर्स" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के सहयोग से किया गया जिसका समापन 17 मार्च 2021 को हुआ। सम्मलेन का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की स्पार्क योजना द्वारा समर्थित था|

"हु वांट्स टू लर्न लैंग्वेजेज?" शीर्षक पर अपेक्षित समापन संबोधन प्रो गायत्री चक्रवर्ती स्पिवक, प्रोफेसर, अंग्रेजी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया।

अपने भाषण में, प्रो. स्पिवक ने सम्मेलन के तीन दिनों में हुए बौद्धिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। स्वयं के शिक्षण के अनुभवों के आधार पर उन्होंने बताया कि वह भाषा और विचारों से किस तरह जुड़ी थी। उन्होंने सम्मेलन थीम पर गास्र्की द्वारा पेश किए गए परिप्रेक्ष्य के माध्यम से विचार-विमर्श किया| उनके व्याख्यान ने 'चॉइस' और 'टेंड़ेसी' को अच्छे तरीके से व्याख्यायित किया जिसे सहजता से स्वीकार किया जा सके ।

प्रो. स्पिवक के समापन संबोधन की समृद्धता और इसके सुविचारित तर्कों ने उपस्थित लोगों से कई टिप्पणियाँ और प्रश्न आमंत्रित किए।

प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति, जामिइ ने उद्घाटन वक्तव्य दिया जिसमे उन्होंने सम्मेलन के लक्ष्य को भाषा और भाषा से संबंधित मुद्दों के साथ जोड़ने की सराहना की।

मुख्य वक्तव्य प्रोफेसर जीएन देवे, लेखक, सांस्कृतिक आलोचक, बुद्धिजीवी एवं एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के अंग्रेजी के पूर्व प्रोफेसर द्वारा दिया गया।

सम्मेलन के तीन दिनों में प्रो. सुदीप्त कविराज, प्रो. जावेद मजीद और प्रो. फ्रांसेस्का ओरसिनी जैसे अकादमिक दिग्गज मौजूद थे, जिन्होंने अपने विस्तृत वक्तव्यों के माध्यम से सम्मेलन विषय की चर्चा में योगदान दिया। प्रोफ़ेसर चारु गुप्ता, प्रो. वीना नारेगल, डॉ. टोर्षटेन स्केचर, डॉ. अंजलि नेरलेकर, डॉ. बैदिक भट्टाचार्य, डॉ. मारगिट पेरनौ, डॉ. एरियन हॉफ, प्रो. रूथ वनीता, डॉ. प्रीता मणि, डॉ. नीलेश बोस, डॉ. रविकांत, एवं गौतम लियू जैसे विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान में भाषा की विचारधाराओं और विलक्षणता पर भी चर्चा की गई।

सम्मेलन के अन्य सत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के 26 विद्वानों द्वारा भाषा, दृष्टिकोण और वैचारिकता जैसे गॉन डेस्क कैलेंडर, इंडो-फिजियन पोएट्री, साइंस फिक्शन, कास्ट एंड लैंग्वेज, ट्रामा एंड द वर्नाक्युलर और भाषा अध्ययन संबंधी एवं कई अन्य लोगों के बीच हिंदी का मानकीकरण और वर्चुअलाइजेशन पर पेपर प्रस्तुतियां शामिल थीं।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सभी तीन दिनों में दुनिया भर से और टाइम जोन से छात्रों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिलिया इस्लामिया